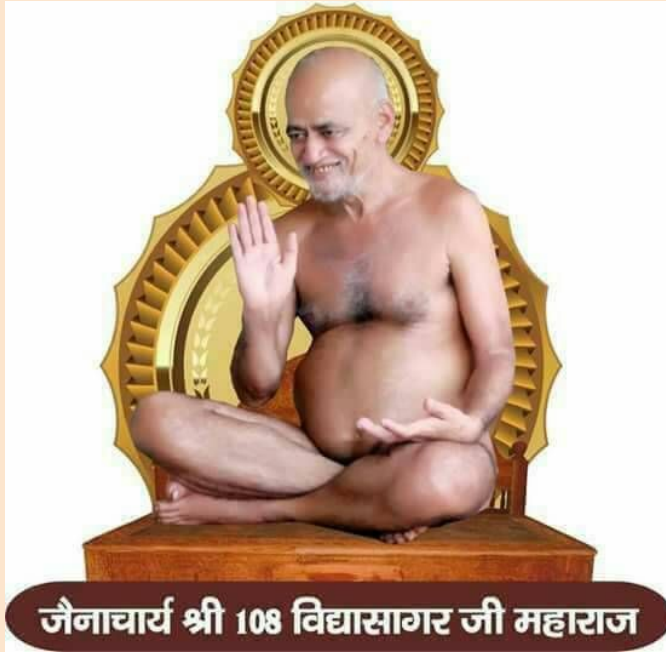
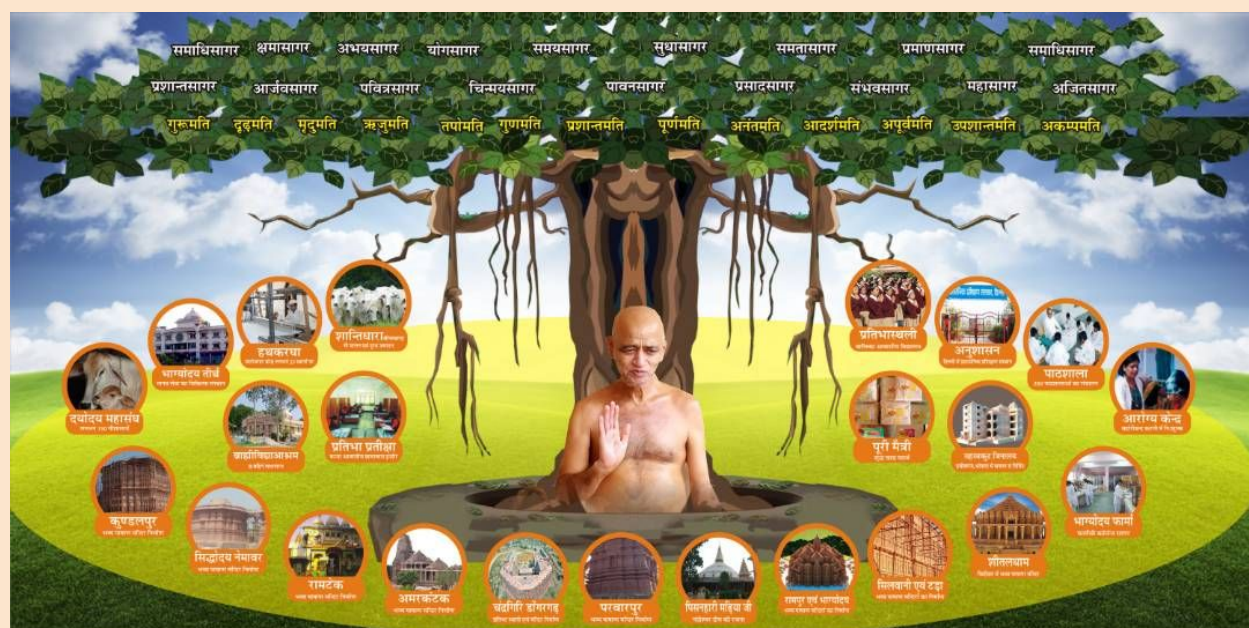




विद्याधर से विद्यासागर इनके जीवन की तस्वीर

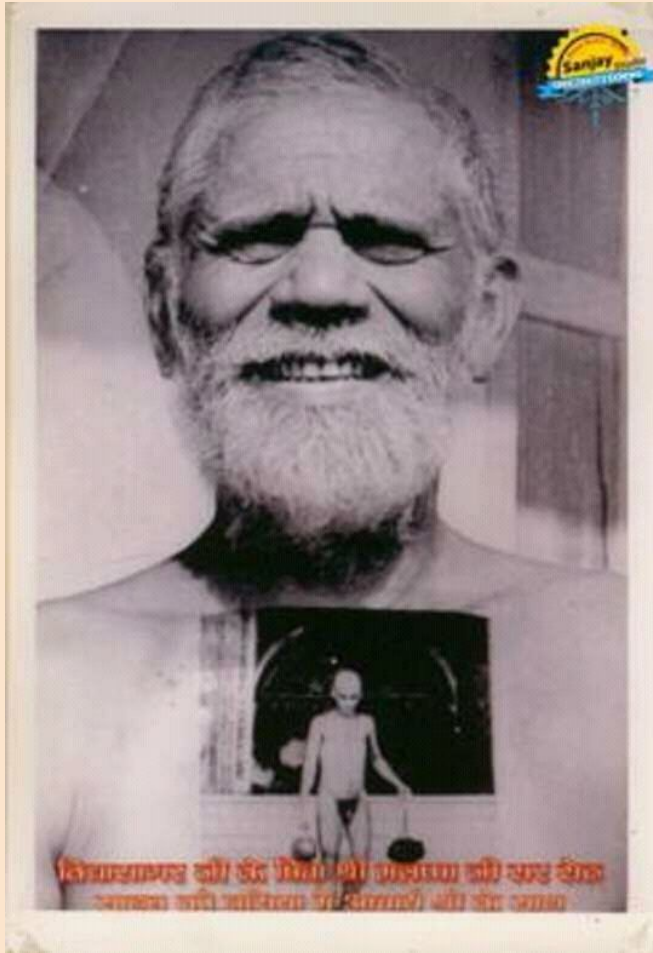


संग्रहित-जैन ज्ञान दर्शन ग्रुप

Whatsaap no.

8983420775

<http://jaingyandarshan.wordpress.com>

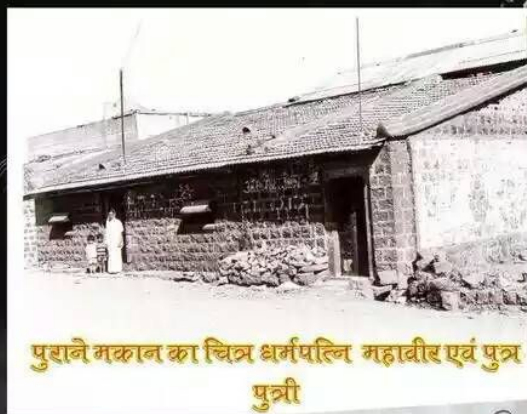




तब कौन जानता था ये खेल/गाइक में
मुनिराज का रोम करने वाला बच्चा एक दिन
भारतीय संस्कृति में महान
बापू बनगा... पिछी चकड़ीगा और ना जाने
कितने को चिन्ने देगा...
[विद्याधर - अब आपसे दो मिटाहागर
जी का दुस्मि फोटो] Viss...



पौतू उनके विद्यासागर अपने भाई भगव्या के साथ
आने वाले समय चक्र में जगा जिनके नवाये पाद

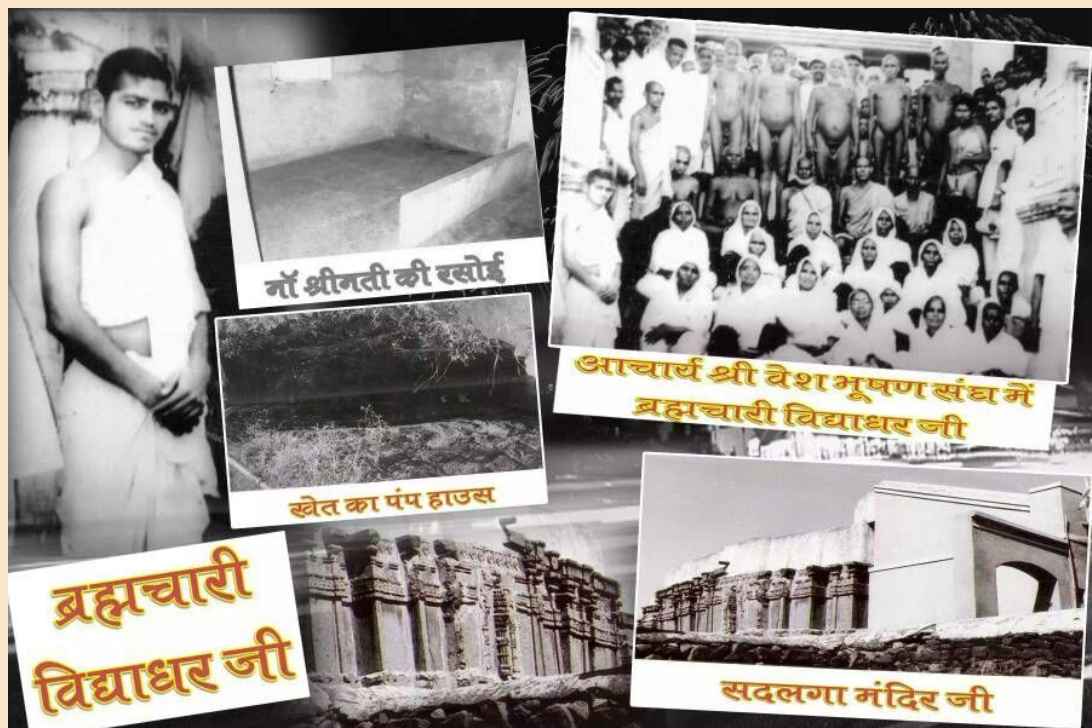


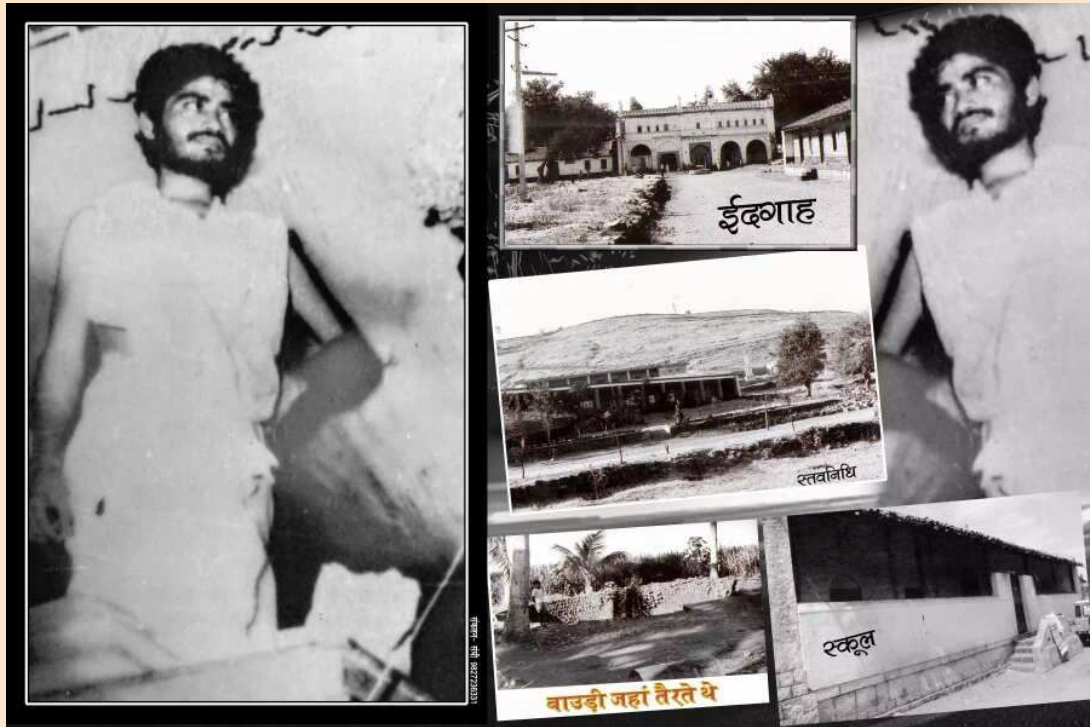
पुराने मकान का चित्र धर्मपत्नि महावीर एवं पुत्र
पुत्री

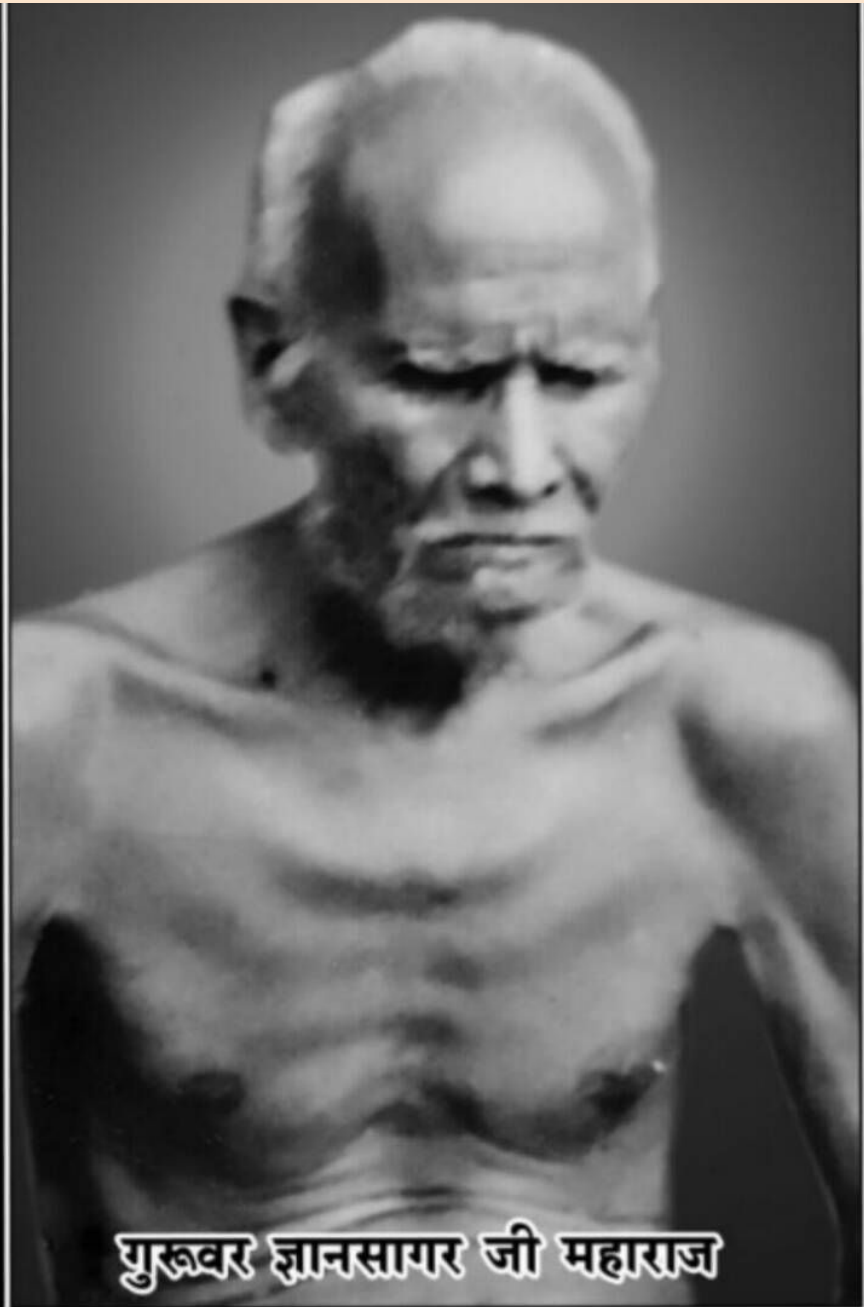


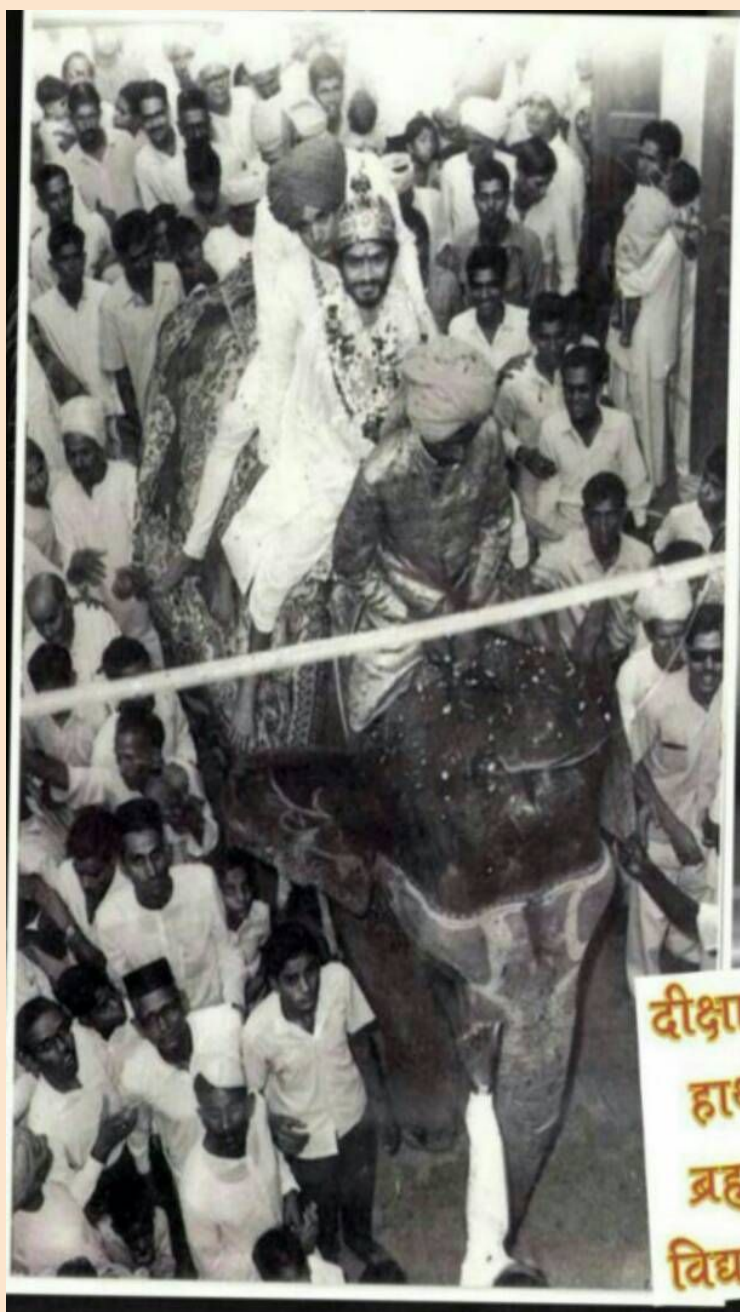
स्कूल





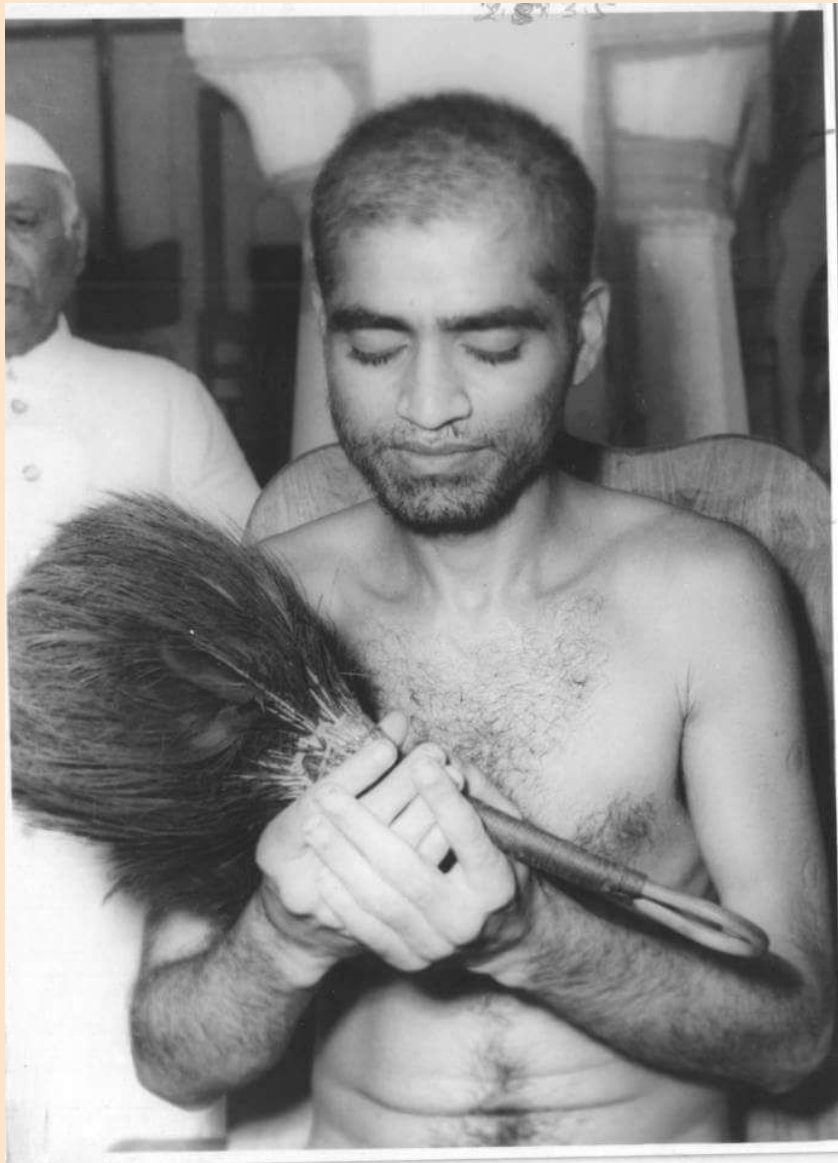


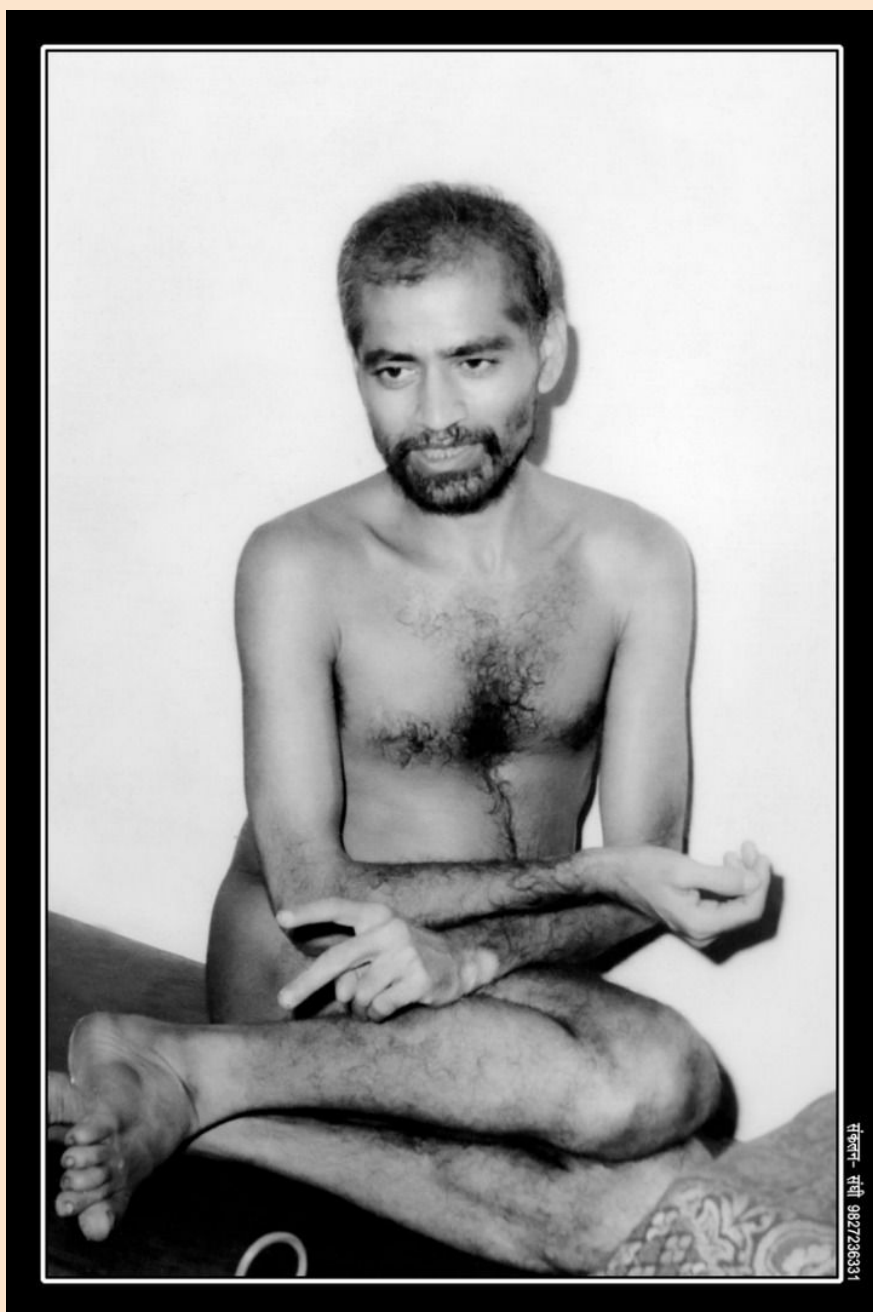


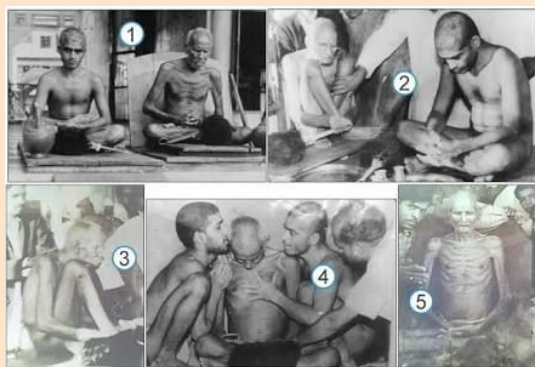




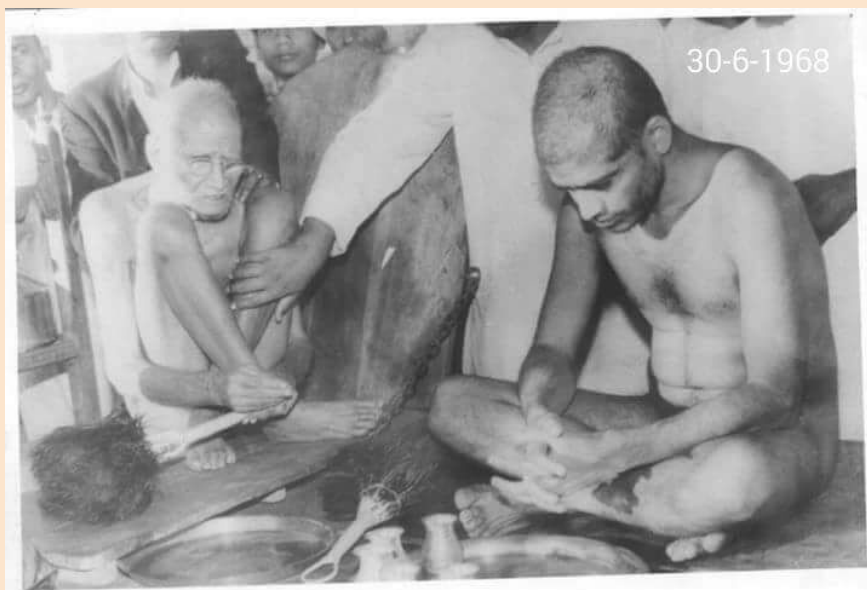
विद्याधर जी का परिवार

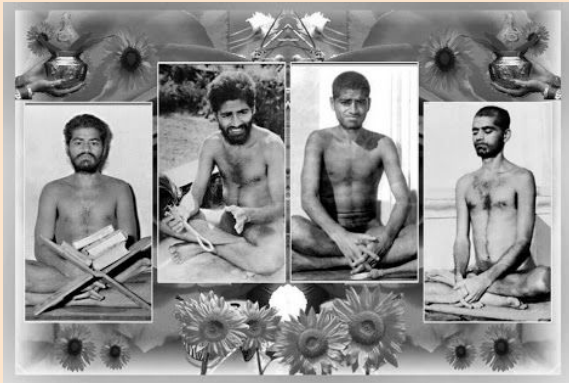




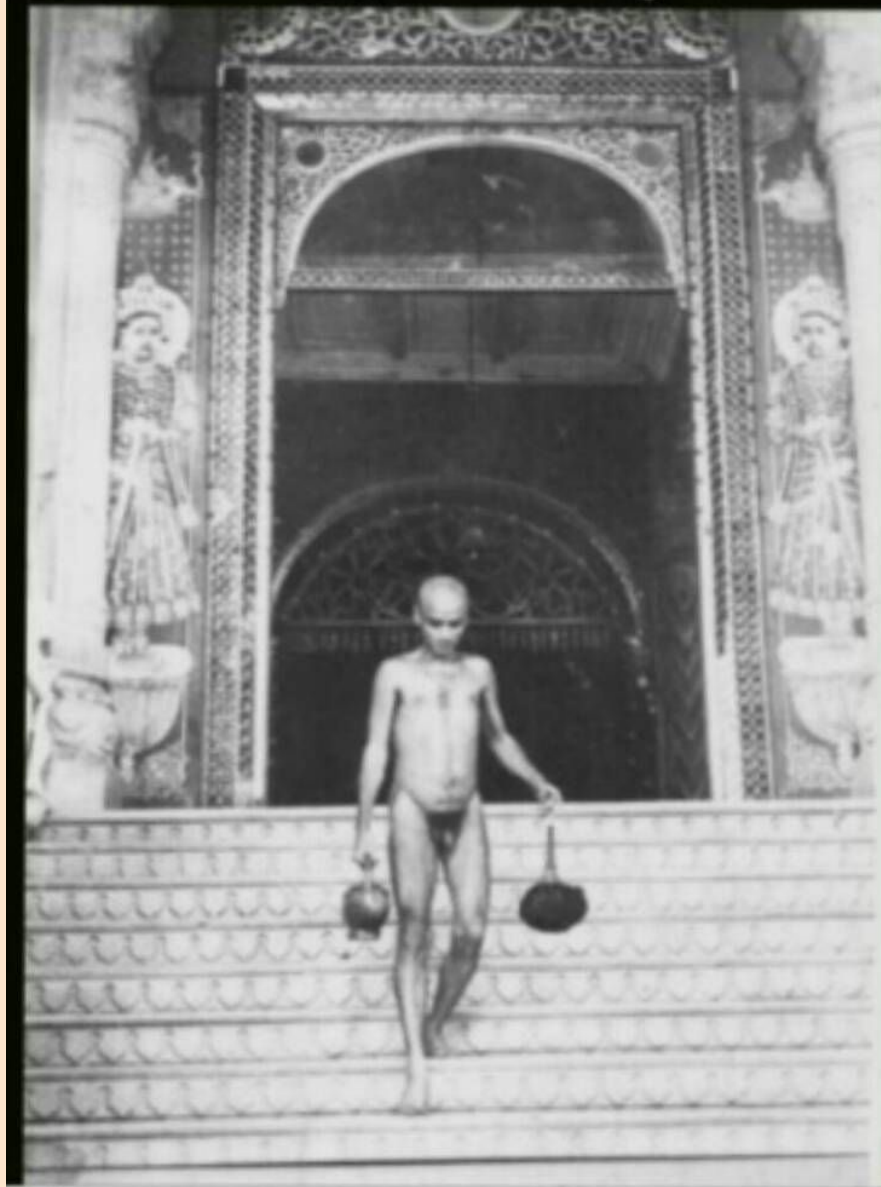


By --- www.facebook.com/VidyasagarGmuniraj
www.jinvaani.org | www.wuistudio.com @ Jainism' e-Storehouse, Check It Out !

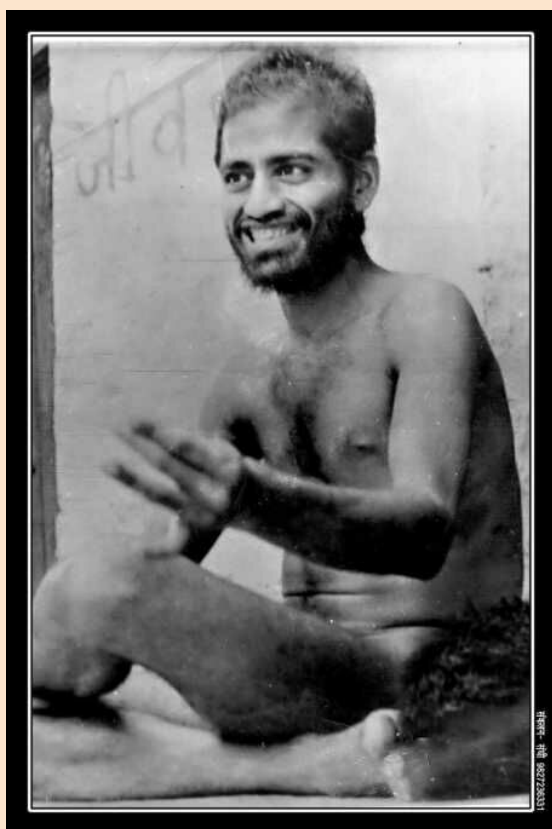




संतत्य से सिद्धत्य के अविश्राम यात्री..









पूर्व जन्म में निश्चय ही तूम् एही हो मेरी माता.

